Director General of Bangladesh Livestock Research Institute, Bangladesh and his Livestock scientist team visited CSWRI on 06.04.2014- A press release

कार्यप्रणाली की जानकारी ली

मालपुरा के केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान का अवलोकन करता बांग्लादेश से आया वैज्ञानिकों का दल।

▪ बांग्लादेश के वैज्ञानिकों ने किया भ्रमण

मालपुरा

jaipur@patrika.com

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में रविवार को बांग्लादेश से आए पशुधन अनुसंधान वैज्ञानिकों के दल ने संस्थान का अवलोकन कर कार्यप्रणाली की जानकारी ली। दल में बांग्लादेश पशु अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक डॉ. मोहम्मद नजरूल इस्लाम, भेड़ परियोजना के निदेशक डॉ. इरशादुजामन, मत्स्य एवं पशुधन मंत्रालय की उपसचिव देलबोरा बेगम, वरिष्ठ सहायक डॉ. पुलकेश मण्डल एवं योजना आयोग के सहायक प्रमुख मोहम्मद तंजीम शामिल थे।

इन्होंने संस्थान के भेड़, बकरी एवं खरगोश सेक्टर तथा प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। संस्थान निदेशक डॉ. एस. एम. के. नकवी एवं वैज्ञानिकों के साथ अनुसंधान क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

ऊन तकनीक, भेड़ों के उपचार के काम में ली जा रही दवाइयों तथा मेमनों के लिए किए जा रहे प्रयोग को देखकर वे हतप्रभ रह गए। इस दौरान पशु पोषण विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए. साहू एवं मानव संसाधन विभाग के प्रभारी इंजीनियर विष्णु कदम भी मौजूद थे।

जयपुर . सोमवार. 7 अप्रैल, 2014 14

तकनीक से भेड़ उपचार विदेशी विशेषज्ञ चंकित

▪ बांग्लादेश के पशु संस्थान महानिदेशक ने किया भ्रमण

मालपुरा। बांग्लादेश के पशुधन अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक सहित करीब पांच बांग्लादेशी वैज्ञानिकों ने केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्था अविकानगर का भ्रमण किया। उन्होंने भ्रमण के दौरान अविकानगर के वैज्ञानिकों की ओर से पशु विकास पर किए नए अनुसंधानों की प्रशंसा की तथा बांग्लादेश में भी पशु विकास के लिए सहयोग की उम्मीद जताई।

बांग्लादेशी वैज्ञानिकों ने अविकानगर में स्थित भेड़, बकरी व खरगोश सेक्टरों एवं प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। बांग्लादेशी वैज्ञानिकों ने अविकानगर के निदेशक डॉ. एस.एम.के. नकवी से संस्थान में किए जा रहे अनुसंधानों की जानकारी प्राप्त की। वैज्ञानिकों ने यहां की ऊनी तकनीक व भेड़ उपचार विधि एवं मेमनों के मिल्क रिपलेसर विधियों को देख कर आश्चर्य जताया।

दोनों देशों के वैज्ञानिकों ने एक-दूसरे के पशुपालकों विशेष रूप से भेड़ पालकों की कठिनाइयों की जानकारी लेने के लिए आपस में निरंतर संपर्क में रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।